आरयू के वीसी बोले-एनईपी के तहत वोकेशनल विषयों और स्थानीय भाषाओं की पढ़ाई पर दिया जा रहा है जोर

आईआईएम में सिनेमेटोग्राफी, सुकराती संवाद, जल व खेल प्रबंधन, नाटक, रंगमंच कला, चित्रकारी पाठ्यक्रम में शामिल

सिटी रिपोर्टर | रांची

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मुख्य उद्देश्य मल्टीपल एक्जिट व मल्टीपल एंट्री के प्रावधान को हमने लागू कर दिया है। पिछले साल हमने एनईपी को लागू किया, पहली बैच की परीक्षा भी हो गई है। इंडियन नॉलेज सिस्टम को बढ़ावा दिया जा रहा है। केंद्र की ओर से दिए गए वोकेशनल विषयों को लागू किया जा रहा है। वोकेशनल विषयों में शिक्षकों की कमी से थोड़ी समस्या भी हो रही है। गेस्ट फैकल्टी से काम चलाया जा रहा है। स्थानीय भाषाओं की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 9 अगस्त को ट्राइबल फेयर का आयोजन किया जाएगा। ये बातें रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने कही। आईआईएम रांची के डायरेक्टर प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एक बहु-विषयक कार्यक्रम प्रदान करने के परिप्रेक्ष्य में प्रबंधन में एकीकृत कार्यक्रम (आईपीएम) शुरू किया गया। इसमें ऐसे पाठ्यक्रम भी शामिल हैं जो छात्रों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएंगे।

अजीत सिन्हा, प्रो. दीपक श्रीवास्तव, पीके मडावी, डीपी पटेल, डॉ. शशिकांत व अन्य।

विषयों के लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए, छात्रों में बहु-विषयक और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए संस्थान ने बहु-विषयक वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए हैं। इनमें सिनेमेटोग्राफी, सुकराती संवाद, जल प्रबंधन, खेल प्रबंधन, नाटक और रंगमंच, कला और चित्रकारी आदि को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

उपनिदेशक आरडीएसडी झारखंड, एमएसडीई पीके मडावी ने कहा कि एनईपी छात्रों को शैक्षणिक और व्यावहारिक कौशल प्रदान करने पर जोर देती है। यह जानकारी एनईपी की तीसरे वर्षगांठ पर आईआईएम रांची में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में दी गई। इसका आयोजन क्षेत्रीय निकास निदेशालय एवं उद्यमिता, झारखंड और प्रेस इंफॉर्मेशन ब्यूरो की ओर से आयोजित किया गया। मौके पर उपायुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन डीपी पटेल, ट्रिपल आईटी के एसोसिएट डीन कैंपस एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. शशिकांत शर्मा, डॉ. जीतेंद्र कुमार मिश्रा, एसोसिएट डीन एनआईटी डॉ. एमए हसन, संयुक्त निदेशक प्रेस सूचना ब्यूरो अब्दुल हमीद आदि उपस्थित रहे।

Dainik Bhaskar, 26.07.2023, Pg. 4